संख्या-109/2015/1407/41-15-105 यो0/2015

प्रेषक,

शिव कुमार पाठक
उप सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0,
लखनऊ।

पर्यटन अनुभाग लखनऊ दिनांक 10 जुलाई, 2015

विषय- जनपद मुजफ्फर नगर के शुक्रताल में विकास कार्य कराये जाने हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक पर्यटन निदेशालय के पत्र सं0-451/6-1-1(601)/2015, दिनांक 09-06-2015 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में जनपद मुजफ्फर नगर के शुक्रताल में 02 योजनाओं के विकास कार्य कराये जाने हेतु कार्यदायी संस्था सिंचाई एवं जल संस्थान विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा गठित आगणन के परीक्षणोपरान्त धनराशि रू0 149.78 लाख के सापेक्ष रू0 74.89 लाख की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन निम्न तालिकानुसार सहर्ष प्रदान करते हैं-

क्र0	योजना का नाम	प्रशासकीय स्वीकृति	वित्तीय स्वीकृति
1	जनपद मुजफ्फर नगर के शुक्रताल में स्नानघाट के सामने नदी के तल को ऊंचा करने की परियोजना का कार्य।	110.00	55.00
2	जनपद मुजफ्फर नगर में मार्जिनल बन्ध का सुखदेव सेतु के अपस्टीस में पार्किंग का निर्माण कार्य।	39.78	19.89
कुल योग		149.78 लाख	74.89 लाख

1. स्वीकृत योजना का कार्य यू0पी0पी0सी0एल संस्था से कराये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
2. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय सुसंगत वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
3. स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा एवं उक्त कार्यों को अनुमोदित लागत के सीमान्तर्गत ही किया जायेगा।

http://shasanadesh.up.nic.in

4. कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति की सूचना व उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को ससमय उपलब्ध कराया जायेगा।
5. यदि कोई धनराशि बचती है तो उसे तत्काल शासन को समर्पित/राजकोष में जमा कराने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
6. यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यों हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो।
7. योजनान्तर्गत कराये गये कार्यों की फोटोग्राफी कराकर तत्काल उपलब्ध करायी जाये जिससे प्रगति के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सके।

3. उक्त के फलस्वरूप होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-44 के लेखा शीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-01-पर्यटन अवसंरचना-आयोजनागत-80-सामान्य-104- संवर्धन तथा प्रचार-14- ऐतिहासिक/पौराणिक स्थलों पर पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का विकास-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

4. यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-2/2015/बी-1-925/दस-2015-231/2015, दिनांक-30-03-2015 में प्रतिनिधानित अधिकारों के अधीन निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(शिव कुमार पाठक)
उप सचिव।

<u>संख्या-109/2015/1407(1)/41-2015 तद् दिनांक।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1- महालेखाकार, उ0प्र0 इलाहाबाद।
2- निजी सचिव, मा0 पर्यटन मंत्री, उ0प्र0 लखनऊ।
3- मण्डलायुक्त, सहरनपुर मण्डल, सहारनपुर।
4- जिलाधिकारी, मुजफ्फरनगर ।
5- कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
6- वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
7- प्रबन्ध निदेशक, यू0पी0पी0सी0एल0, लखनऊ।
8- क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, मेरठ।
9- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7/नियोजन अनुभाग-4
10- श्री राजा राम वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि इसे वेब-साइट पर अंकित करना सुनिश्चित करें।
11- गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

http://shasanadesh.up.nic.in

(विनय कुमार सिंह)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in